भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्याः 97.

22 नवम्बर, 2011 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर
देश में सुपरबग का उद्भव

97. **श्री ईश्वरलाल शंकरलाल जैनः**

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि देश में वायरस अथवा बैक्टीरिया की वजह से सुपरबग नामक खतरनाक बीमारी ने दस्तक दी है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या वायरस बैक्टीरिया सुपरबग राजधानी के अधिकांश अस्पतालों के साथ ही वातावरण में सक्रिय है;

(घ) क्या यह खतरनाक सुपरबग बीमारी वास्तव में जानलेवा है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सुदीप बन्द्योपाध्याय)

(क) से (ग) : लेंसेट इंफेक्शन्स डिसीसिज में दो लेख प्रकाशित किए गए थे जहां मेटालोबीटा लेक्टामेस एंजाइम-एनडीएम-1 (नई दिल्ली मेटालो- बीटालेक्टामेस-1) के कारण कारबापेनेम प्रतिरोधी एंट्रोबैक्टरियासीए की मौजूदगी की सूचना मिली थी और इस बैक्टीरिया का उद्गम भारत और पाकिस्तान में पाया गया था।

सरकार ने इस आरोप का खंडन किया कि भारत से एनडीएम-I की उत्पत्ति को इन लेखों में निर्णायक रूप से स्थान नहीं दिया गया है। इसके अतिरिक्त, विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा प्रकाशित की गई सूचना के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका और कनाडा ने एनडीएम-1 के मामलों की सूचना दी है। आस्ट्रेलिया, बेल्जियम, जापान, स्वीडन और वियतनाम ने भी मामलों की सूचना दी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा छह केन्द्रों (बेल्लोर, एम्स, नई दिल्ली, कोची, सेवाग्राम, पुडुचेरी तथा लखनऊ) में वित्तपोषित एक अध्ययन में

ऐसे स्ट्रेनों का अनुपात वर्ष 2008-09 के दौरान 5 प्रतिशत से कम (2-4.5 प्रतिशत) पाया गया।

(घ) और (ङ) : इस प्रकार घटित होने वाले एनएमडी-1 या सदृश प्लाजमिडस सहित बहु-औषध प्रतिरोधी बैक्टीरिया प्राकृतिक रूप से समूचे विश्वभर में मौजूद रहते हैं । इस प्रकार उनकी मौजूदगी ने विवक्षाओं को तब तक परिसीमित कर दिया है, जब तक कि इसे नैदानिक स्थितियों और परिणाम से नहीं जोड़ा जाता है। जब तक ये जीव, घावों, शल्य चिकित्सा, उपकरणों के कारण क्षति आदि के जरिए शरीर पर आक्रमण करने का अवसर प्राप्त नहीं करते हैं, तब तक वे संक्रमण का सामान्य कारण नहीं होते हैं। उत्तम अस्पताली उपायों द्वारा इसका सामना किया जा सकता है।

*****